डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(नेशनल अकादमी ऑफ़ लेटर्स)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली। 12 फरवरी 2018। आज अकादेमी के प्रथम तल स्थित सभागार में पूर्वाह्न 10.30 बजे आयोजित साहित्य अकादेमी की सामान्य परिषद् की 188वीं बैठक में दो लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकारों डॉ. चंद्रशेखर कंबार तथा डॉ. माधव कौशिक को क्रमशः अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुना गया, जिनका कार्यकाल वर्ष 2018 से 2022 तक पाँच वर्ष का होगा।

साहित्य अकादेमी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. चंद्रशेखर कंबार कन्नड के सुप्रसिद्ध कवि, नाटककार, उपन्यासकार, लोक गीतकार, कन्नड फिल्म निर्देशक एवं शिक्षाविद् हैं। आप कन्नड विश्वविद्यालय, हम्पी के संस्थापक कुलपति रहे। उत्तर कर्नाटक की बोली को अपने नाटकों और कविताओं में प्रभावी रूप से अपनाने के कारण आपकी विशेष ख्याति है। आप कर्नाटक नाटक अकादमी और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली के अध्यक्ष रहे। शिकागो विश्वविद्यालय तथा बंगलोर विश्वविद्यालय में आपने अध्यापन किया। आपके 25 नाटक, 11 काव्य–संग्रह, 5 उपन्यास और 16 शोध ग्रंथ प्रकाशित हैं। आपने लोक नाट्य, साहित्य और शिक्षा पर अनेक विद्वत्तापूर्ण आलेख लिखे हैं। आपके नाटकों का विभिन्न भारतीय भाषाओं सहित अंग्रेजी में अनुवाद और मंचन हुआ है। आपने कर्नाटक सरकार तथा भारत सरकार के लिए 5 फीचर फिल्मों और अनेक वृत्तचित्रों का निर्माण किया है, जिनमें से कई को राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। आपने भारतीय लोक साहित्य और रंगमंच पर अनेक शोध पत्र भारत तथा विदेशों में प्रस्तुत किए हैं। आपको अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से विभूषित किया गया है, जिनमें प्रमुख हैं – भारत सरकार द्वारा पद्मश्री, ज्ञानपीठ पुरस्कार, साहित्य अकादेमी पुरस्कार, संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार, संगीत नाटक अकादेमी फैलोशिप, कबीर सम्मान, कालिदास सम्मान, नदोजा पुरस्कार, पम्पा पुरस्कार तथा कर्नाटक साहित्य अकादमी पुरस्कार।

साहित्य अकादेमी के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष डॉ. माधव कौशिक हिंदी के प्रख्यात कवि और लेखक हैं। आपकी दो दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित हैं, जिनमें काव्य–संग्रह, कहानी–संग्रह, बाल साहित्य आदि शामिल हैं। आपकी कुछ पुस्तकों का विभिन्न भारतीय भाषाओं में अनुवाद हुआ है। आपने टेली फिल्मों के लिए गीत एवं पटकथा लेखन भी किया है तथा टी.वी. और रेडियो के अनेक कार्यक्रमों में सहभागिता की है। आपकी कुछ रचनाएँ पंजाब के विश्वविद्यालयों में पाठ्यक्रमों में शामिल हैं। आप चंडीगढ़ साहित्य अकादमी के पूर्व सचिव एवं वर्तमान में अध्यक्ष तथा हरियाणा साहित्य अकादमी की शासकीय परिषद् के सदस्य हैं। आपको अनेक पुरस्कारों और सम्मानों से अलंकृत किया गया है, जिनमें प्रमुख हैं – हरियाणा साहित्य अकादमी पुरस्कार, बाबू बाल मुकुंद गुप्त सम्मान, अखिल भारतीय बलराज साहनी सम्मान, रवींद्रनाथ वशिष्ठ सम्मान, राष्ट्रीय हिंदी सेवी सहस्राब्दी सम्मान, अब्र सीमाबी सम्मान।

12/2/18

(के. श्रीनिवाराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in